RNI No. GUJHIN/2011/39228
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 15
अंक : 115
दि. 25.08.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री आज व कल रहेंगे गुजरात दौरे पर

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 25-26 अगस्त को गुजरात का दौरा करेंगे। वे 25 अगस्त को शाम लगभग 6 बजे अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ रुपये की लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

26 अगस्त को सुबह लगभग 10:30 बजे, प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है। इस ब्रॉड-गेज क्षमता के बढ़ने से, ये परियोजनाएं इस क्षेत्र में सुगम, सुरक्षित और अधिक निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेंगी। इससे क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए यात्रा काफी आसान हो जाएगी। इसके अलावा, कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से धार्मिक स्थलों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध होगी और जमीनी स्तर पर आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलेगा। बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी सेवा से राज्य के औद्योगिक केंद्रों में संपर्क बढ़ेगा, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत होगा और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

कनेक्टिविटी में सुधार, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को गति देने के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री वीरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क के चौड़ीकरण का उद्घाटन करेंगे। वे अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर मार्ग पर छह लेन वाले वाहन अंडरपास और अहमदाबाद-वीरमगाम मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे।

राज्य में विद्युत क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत घाटे को कम करना, नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

गुजरात ने आधुनिक विकास के साथ सामाजिक चुनौतियां भी पार कीं : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गांधीनगर, 24 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद में रविवार को सरदारधाम फेज 2 तथा शकरीबेन डाह्याभाई पटेल कन्या छात्रालय का लोकार्पण दिल्ली से भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वर्चुअली किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो संदेश द्वारा उपस्थित सभी जनों को संबोधित किया।

प्री-रिकॉर्डेड वीडियो संदेश के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गुजरात ने आधुनिक विकास के साथ सामाजिक चुनौतियां भी पार की हैं। सामाजिक क्षेत्र में अनेक चुनौतियां पार करके गुजरात आगे आया है। पहले बेटियों की शिक्षा में गुजरात पीछे था, परंतु सभी समाजों ने आगे आकर बेटियों की शिक्षा के क्षेत्र में कार्यकिया। इसलिए आज स्थिति बदल गई है। 25 वर्ष की यात्रा में सबने साथ मिलकर कार्य किया है।

उन्होंने जोड़ा कि सरदारधाम का नाम जितना पवित्र है, उतना ही उसका काम भी पवित्र है। सरदारधाम फेज 2, कन्या छात्रालय में रहकर बेटियों को उनके अरमान एवं सपने पूरे करने का अवसर मिलेगा। यहां पढ़-लिखकर बेटियां राष्ट्र निर्माण के कार्य में सहभागी होंगी और इन शिक्षित बेटियों का परिवार भी समर्थ बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कन्या छात्रालय की आधारशिला रखने का सौभाग्य उन्हें मिला था और आज यह भवन तैयार हो गया है। वडोदरा में भी सरदारधाम का कार्य चल रहा है। सूरत, मेहसाणा सहित राज्य के कई नगरों में ऐसे प्रशिक्षण केन्द्र बनाए जा रहे हैं। सरदारधाम संस्था का कार्य सचमुच सराहनीय है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा, 'मैं जब गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब कहता, 'भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास जरूरी है ह्न गुजरात से जो सिखा, वह काम में आया है। आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, टेक्नोलॉजी; इन सभी क्षेत्रों में गुजरात ने विकास किया है। परिणामस्वरूप गुजरात के कोने-कोने में अभ्यास-शिक्षा की भूख जागी है।'

उन्होंने कहा, 'गुजरात के माथे पर एक कलंक था भ्रूण हत्या पाप का। बेटियों की गर्भ में ही हत्या करने का पाप। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल में हमने सूरत से उमियाधाम तक यात्रा की थी, तब 'बेटा-बेटी एक समानह्न नारा गुजरात में गूंजा था।'

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी 25 से 28 अगस्त 2025 तक अल्जीरिया की राजकीय यात्रा पर रवाना हुए

(जीएनएस)।

थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी 25 से 28 अगस्त 2025 तक अल्जीरिया की राजकीय यात्रा पर रवाना हुए। यह यात्रा भारत की राष्ट्रपति और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की हाल की यात्राओं के तुरंत बाद हो रही है। यह यात्रा भारत-अल्जीरिया के संबंधों को मजबूत करने के महत्व को दर्शाती है।

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा और सुरक्षा संबंधों को सुदृढ़ करना है जिसमें सेना का सेना से सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर दृष्टिकोण साझा करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग की संभावना तलाश करना शामिल है।

इस यात्रा के दौरान, जनरल द्विवेदी अल्जीरिया के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें करेंगे। वे राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के प्रतिनिधि मंत्री और पीपुल्स नेशनल आर्मी के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल सईद चानेग्रिहा; थल सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मुस्तफा स्माली और अल्जीरिया में भारतीय राजदूत डॉ. स्वाति कुलकर्णी से मिलेंगे। वे स्कूल ऑफ कमांड एंड मेजर स्टाफ, टैमेंटफॉस्ट; चर्चेल मिलिट्री एकेडमी जैसे प्रमुख सैन्य संस्थानों का भी दौरा करेंगे और शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

चुनावी सरगर्मी के बीच 6 दिनों के बिहार दौरे पर आ रहे हैं बाबा बागेश्वर

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर है। नेताओं की रैलियों और पदयात्राओं के बीच एक बार फिर से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बिहार आ रहे हैं। 6 तक बाबा बागेश्वर गया जी में रहेंगे इस दौरान इस दौरान तर्पण, त्रिपिंडी श्राद्ध, पिंडदान और एकादश भागवत पारायण का आयोजन होगा। बागेश्वर धाम सरकार नाम के सोशल मीडिया के जरिए बताया गया कि, 'पितृपक्ष के पावन दिनों में पितरों के निमित्त 10 सितंबर से 16 सितंबर तक परम पूज्य सरकार के पावन सानिध्य में महातीर्थ गया जी में तर्पण, त्रिपिंडी श्राद्ध,पिंडदान एवं एकादश भागवत का पारायण होने जा रहा है।

जिसमें आप सम्मिलित होकर आप अपने पित्र शांति के लिए पूजन कर सकते है।

बिहार में विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी के बीच बाबा बागेश्वर का गयाजी दौरा राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गया है।

विपक्षी दलों, विशेषकर फखऊ के समर्थक सोशल मीडिया पर इस दौरे को सीधे चुनावी रणनीति से जोड़ते हुए बीजेपी पर आरोप लगा रहे हैं कि पार्टी चुनावी माहौल में धर्म गुरुओं और धार्मिक आयोजनों का इस्तेमाल कर वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। फखऊ नेताओं का कहना है कि गया महातीर्थ जैसे पवित्र स्थलों पर नेताओं का दौरा केवल धार्मिक प्रतीत होता है, लेकिन चुनावी लाभ के लिए इसे राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले भी जब बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बिहार आए हैं, तो फखऊ के नेताओं ने उन पर लोगों में नफरत फैलाने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव और लालू यादव तक बाबा बागेश्वर पर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ कर चुके हैं और बीजेपी को इस तरह के धार्मिक दौरे के लिए निशाना बनाते रहे हैं। यही वजह है कि इस बार भी गया दौरे को लेकर विपक्षी दलों की टिप्पणियों और आलोचनाओं की संभावना बनी हुई है।

पीएम-सीएम को हटाने वाले विधेयक पर बरसे खड़गे 'वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी करने उतर गए हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम-सीएम को हटाने वाले विधेयक का विरोध किया है। बता दें कि विपक्षी इंडिया अलायंस इस बिल का जोरदार विरोध कर रही है, जबकि पीएम मोदी ने बिहार के गयाजी की रैली में दो टूक अंदाज में कहा था कि भ्रष्टाचारियों को सत्ता पर बने रहने का अधिकार नहीं है। इस बिल में प्रावधान किया गया है कि पीएम-सीएम या राज्यों-केंद्र के मंत्री अगर 30 दिन से ज्यादा जेल में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे सत्ता पक्ष की एक और चालाकी बताई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वोट चोरी करने के बाद सरकार अब ऐसा बिल लेकर आ रही है जिससे सत्ता की चोरी की जा सके। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि सरकार ने कैसे विपक्षी दलों के सीएम और नेताओं की गिरफ्तारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। 130वें संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने की यह सरकार की नई साजिश है।

सम्पादकीय

भ्रष्टों के लिये जेल से शासन करना अब संभव न होगा

केंद्र सरकार द्वारा राजनीति में भ्रष्टाचार रोकने के उद्देश्य से उठाया जाने वाला यह कदम स्वागत योग्य है। यदि यह विधेयक सर्वसम्मति से पास करके लागू किया जाए तो यह पूरे विश्व में एक नजीर होता कि भारत एक ऐसा लोकतांत्रिक देश है जहां अपने प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद को अपराधिक मामले में जेल जाने पर पद से हटा दिया जाता है। जेल में रह कर सरकार चलाना अब संभव न होगा कुछ वर्ष पूर्व तक यदि कोई व्यक्ति चौबीस घंटे से अधीक समाय के लिए जेल में होता है और किसी सरकारी पद पर आसीन हो जाता है तो उसे निलम्बित कर दिया जाता है और चार्ज शीट फाइल होने के बाद यदि ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी करार दिया जाता है तो उच्च न्यायालय में दायर अपील का निस्तारण का इंतजार किए बगैर उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाती है। पर मंत्रियो और सांसदो के लिए स्थिति अलग है जबकि न्यायालय ने माना हुआ है इन्हें उन्हीं की भांत वेतन मिलता है और उसके बाद पैंशन मिलती है। और हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था में लालवृष्ण आडवाणी ने एक ऐसा उच्च मानदंड स्थपित किया जो आज भी नैतिकता जीवनी में मिसाल के रूप में जाने जाता है, दषकों पहले हवाले कांड हुआ और उसमें अपना नाम आने पर संसद सदस्यों के रूप में त्याग पत्र दे दिया और राजनीतिक उत्तरदायित्व लेने से तब एक दूर रहे जब तक उन्हें क्लीन चिट नहीं मिल गए। उसी प्रकार उस समय के दिली के मुख्यमंत्री रहे मदन लल खुरानी साहब ने हवाले में जैन डायरी में अपना नाम आने परअपना नाम आने पर अपने पद से त्याग पत्र दे दिया था, यही नहीं चारा घोटाला में अपना नाम आने पर संभावित गिरफ्तारी से पूर्व बीहट के मुख्यमंत्री के पद से त्याग पत्र दे दिया और अपने स्थान पर अपनी पत्नी रबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया। पर यह प्रश्न कि की भी व्यक्ति जेल में रहने के बावजूद जेल से सड़कर चला सकता है तब खड़ा हुआ जब अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार उन्मूलन आन्दोलन से निकले अरविन्द केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद होने के बाद भी मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं दिया और जेल से ही सरकार चलाते रहे। भविष्य में ऐसा न हो, ऐसी असहज स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन के मानसून सत्र समाप्त होने से दो दिन पूर्व लोकसभा में एक विधेयक पेश किया जिसके अनुसार अगर प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र या राज्य के मंत्री किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किए जाने है और वे जेल में तीस दिन से अधिक समय तक अंदर रहते हैं तो उन्हें तीस दिन के बाद अपने पद से त्याग पत्र देना होगा। यद्यापि अभी तक ऐसा प्रावधान न होने के कारण अरविद केजरीवाल कईं माह तक जेल से ही अपनी सरकारी चलाते रहे। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक भ्रष्टाचार पर रोक लगाना था क्योंकि अरविद केजरीवाल जैसे कईं नेता जेल जाने के बाद भी अपना पद नहीं छोड़ते। इस विधेयक को संवैधानिक बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह सही भी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाईं आवश्यकता है पर इस विधेयक के दुरुपयोग होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले मुछ समय से जांच एजेंसियों ईंडी, आयकर विभाग, सी बी आईं का दुरूपयोग विपक्षी के नेताओं के खिलाफ करने के आरोपी लगने लगे हैं। लेकिन इन संशोधनों से सत्तारूढ़ पक्ष के उन नेताओ पर भी खतरा मंडरा सकता है जो नेतृत्व के निदेर्शों की अनदेखी कर के स्वच्छंद रूप से कार्यं करते हैं और जबसे केंद्र और राज्य सरकारों में एलायंस पार्टनर्स के साथ सरकारें चल रही हैं तो इस कानून के दुरुपयोग की आशंका बनी ही रहेगी। इस अधिनयम से सरकार के नेतृत्व को अपने भ्रष्टमंत्रियों के भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के कार्यकाल में मंत्रिमंडल में फेर बदल के नाम पर कईं ऐसे मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था जिनके भ्रष्टाचार में लिप्त होने की आशंका थी। जनता और मीडिया इन भ्रष्ट मंत्रियो के विषय में खूब जानते थे पर कोईं खुल कर कह नहीं पा रहा था पर यह कानून बन जाने से इन भ्रष्ट मंत्रियो नेताओं को जेल में जाने के बाद इनके पद से हट जाने का रास्ता साफ हो जाने से भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की इच्छा शत्ति पर लोगों का विश्वास बढ़ेगा। विपक्ष द्वारा इसके दुरूपयोग के आरोपी निराधार नहीं है पर यह भी सच है कि किसी भी व्यत्ति को बिना आधार के कोर्ट में पेश किए बिना 30 दिन क्या 24 घंटे से अधिक नहीं रखा जा सकता। यदि किसी को लगता है कि बिना किसी आधार के उसे जेल में रखा गया है तो वह अपने गिरफ्तारी को न्यायालय में चैलेंज कर सकता है और हम इस मामले में सौभाग्य शाली है कि देश की न्यायपालिका की निष्पक्षता पर कोईं भी संदेह नहीं करता।

स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल जी के केन्द्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय स्पीकर बनने के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्ष सम्मेलन का शुभारंभ

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल जी के केन्द्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय स्पीकर बनने के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्ष सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता, केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू, दिल्ली के उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस सम्मेलन में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विधान परिषदों के सभापति एवं उपसभापति हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली विधानसभा परिसर में विट्ठलभाई पटेल के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज ही के दिन देश के विधायी इतिहास की शुरूआत हुई थी। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन महान स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल को केन्द्रीय विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया था, जिससे भारतीयों द्वारा हमारे विधायी इतिहास की शुरूआत हुई। उन्होंने कहा कि इस सदन में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के कई गणमान्य और वरिष्ठ नेताओं ने विधायक के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। महामना मदन मोहन मालवीय जी करीब 20 वर्षों तक इस सदन के सदस्य रहे। श्री शाह ने कहा कि महात्मा गांधी के गुरु गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपत राय और देशबंधु चितरंजन दास जैसे अनेक महान विभूतियों ने अपने प्रभावशाली वक्तव्यों के माध्यम से इस सदन में देश की जनता की स्वतंत्रता की उत्कंठा और आजादी के प्रति उनकी आकांक्षा को शब्दों में व्यक्त कर देश के सामने प्रस्तुत किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे इस सदन में सभी महानुभावों द्वारा दिए गए भाषणों का संकलन देश की सभी विधानसभाओं के पुस्तकालयों में उपलब्ध कराएं ताकि आज के युवा और विधायक जान सकें कि दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्रता की भावना जगाने का कार्य किस प्रकार हुआ। श्री शाह ने कहा कि दिल्ली विधानसभा ने विट्ठलभाई पटेल के जीवन पर आधारित एक सुंदर प्रदर्शनी आयोजित की है। उन्होंने अनुरोध किया कि इसी प्रकार की प्रदर्शनी सभी विधानसभाओं में लगाई जाए, ताकि न केवल विट्ठलभाई के जीवन और उनके कार्यों बल्कि स्वतंत्रता के इतिहास के बारे में भी देश के सभी विधायकों, विधान परिषद के सदस्यों और युवाओं को जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने सदनों की लाइब्रेरी को समृद्ध करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि विट्ठलभाई पटेल ने भारत की विधायी परंपराओं की नींव रखकर आज के लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों के आधार पर लोकतांत्रिक ढंग से देश को चलाने की नींव डालने का कार्य यदि किसी ने किया, तो वह निस्संदेह वीर विट्ठलभाई पटेल थे। विट्ठलभाई पटेल ने कई परंपराओं को स्थापित करने का कार्य किया, जो आज हम सभी के लिए, विशेषकर विधायी कार्यों और सभापति के दायित्वों के लिए, ज्योतिर्मय दीपक की तरह मार्गदर्शन कर रही हैं। श्री शाह ने कहा कि विट्ठलभाई पटेल के सामने कई बार परीक्षा की घड़ी आई, परंतु प्रत्येक परीक्षा में वे शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। उन्होंने न तो विधानसभा अध्यक्ष की गरिमा को कम होने दिया, न ही इस सदन को देश की आवाज दबाने से रोका, और न ही अंग्रेजों की तत्कालीन मानसिकता को विधानसभा के कार्यों पर हावी होने दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि विट्ठलभाई के कार्यकाल में ही केन्द्र सरकार और सभी राज्यों में विधायी विभाग तथा विधानसभा सचिवालय की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि उस समय विट्ठलभाई द्वारा की गई यह टिप्पणी बहुत महत्वपूर्ण थी कि कोई भी विधानसभा चुनी हुई सरकारों के

अधीन काम नहीं कर सकती। विधानसभा को स्वतंत्र होना चाहिए, तभी विधानसभाओं में होने वाली बहस की सार्थकता बनी रहेगी।श्री शाह ने कहा कि विट्ठलभाई पटेल ने स्वतंत्र विधानसभा विभाग की स्थापना का जो निर्णय लिया, उसे हमारी संविधान सभा ने भी स्वीकार किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय विधायी कार्यप्रणाली के भीष्म पितामह विट्ठलभाई पटेल के अध्यक्ष बनने के 100वें वर्ष के अवसर पर हम सभी के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हम अपनी-अपनी विधानसभाओं में सभापति के पद की गरिमा को बढ़ाने के लिए कार्य करें।उन्होंने कहा कि हम अपने-अपने राज्यों की जनता की आवाज के लिए एक निष्पक्ष मंच स्थापित करें। पक्ष और विपक्ष द्वारा निष्पक्ष बहस सुनिश्चित करें, और यह सुनिश्चित करें कि सदन की कार्यवाही विधानसभा, लोकसभा, और राज्यसभा के नियमों के अनुसार संचालित हो। श्री शाह ने कहा कि विचार-मंथन ही लोकतंत्र में जनता की समस्याओं के समाधान का सर्वोत्तम माध्यम है। जब-जब सभाओं ने अपनी गरिमा खोई है, तब-तब हमें बहुत बुरे परिणाम भुगतने पड़े हैं। उन्होंने कहा कि सभाओं की गरिमा यह होनी चाहिए कि वे देशहित में जनता की आवाज को अभिव्यक्ति देने का माध्यम बनें।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत में सभापति को एक संस्था का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सदन में सबसे कठिन भूमिका यदि किसी की होती है, तो वह सभापति की होती है, क्योंकि वे किसी न किसी दल से चुनकर आते हैं, लेकिन सभापति की शपथ लेते ही एक निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में आ जाते हैं। श्री शाह ने कहा कि हमारे संविधान के 75 वर्षों में, देश भर की विधानसभाओं और लोकसभा में सभापतियों ने हमेशा सदन की गरिमा को बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता और न्याय ही दो ऐसे स्तंभ हैं जिन पर अध्यक्ष की गरिमा टिकी हुई है। एक प्रकार से अध्यक्ष को सदन का अभिभावक और सेवक दोनों माना जाता है। उन्होंने कहा कि हमने लगभग 80 वर्षों में लोकतंत्र की नींव को पाताल तक गहरा करने का कार्य किया है। हमने यह सिद्ध किया है कि भारतीय जनता की रग-रग और स्वभाव में लोकतंत्र बसा हुआ है। उन्होंने कहा कि कई देशों की शुरूआत लोकतांत्रिक रूप में हुई, लेकिन कुछ ही दशकों में वहाँ लोकतंत्र की जगह विभिन्न प्रकार के शासन प्रणालियों ने ले ली।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद भारत की सत्ता में कई परिवर्तन हुए, और बिना खून की एक बूंद बहे शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण हुए। इसका मूल कारण यह है कि हमने अपनी विधायी प्रक्रिया को बहुत अच्छे तरीके से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी व्यवस्था में समय के अनुकूल परिवर्तन भी किए हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि विधानसभाओं में किसान की हरी-भरी फसल से लेकर युवाओं के स्वप्नों तक, महिला सशक्तिकरण से लेकर समाज के प्रत्येक पिछड़े वर्ग के कल्याण तक, देश की एकता और अखंडता से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक के हर विषय पर व्यापक चर्चाएँ होती हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही विवेक, विचार और विधान पर विशेष बल देना पड़ता है। विवेक से विचार बनता है और विचारों से विधान बनता है, जो विधानसभा का मुख्य कार्य है। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून का अंतिम उद्देश्य जनकल्याण होना चाहिए। इसका लक्ष्य अपने प्रदेश और देश को सुचारु रूप से चलाना है, और इसका अंतिम ध्येय सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी विकास का मॉडल होना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि जब विवेक, विचार और विधान का सभापति द्वारा पूर्ण सम्मान किया जाता है, तो विधानसभाएँ दलगत हितों से ऊपर उठकर प्रदेश और देश के हितों पर विचार करती हैं, और लोकसभा देश के हितों पर विचार करती है। उन्होंने कहा कि दलगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित का विचार ही हमें लोकतंत्र की सर्वोच्च गरिमामयी ऊँचाई तक पहुँचाने का एकमात्र मार्ग है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि यदि संसद और विधानसभाओं के गलियारों में सार्थक वाद-विवाद नहीं होगा, तो वे केवल निर्जीव भवन बनकर रह जाएँगे। उन्होंने कहा कि इन भवनों में भावनाओं और विचारों का निरूपण करने का कार्य सभापति के नेतृत्व में सभी सदन के सदस्यों का है। तभी यह एक जीवंत इकाई बनती है, जो देशहित और प्रदेशहित में कार्य करती है। श्री शाह ने कहा कि अपने राजनीतिक हितों के लिए संसद और विधानसभाओं को चलने न देना, यह वाद-विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि विरोध संयमित होना चाहिए। प्रतीकात्मक विरोध का अपना स्थान है, लेकिन विरोध के बहाने दिन-प्रतिदिन और पूरे सत्र तक सदन को चलने न देने की जो परंपराएँ बन रही हैं उन पर देश की जनता और चुने हुए प्रतिनिधियों को विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि जब सदन से चर्चा समाप्त हो जाती है, तो सदन का देश के विकास में योगदान बहुत कम रह जाता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हमें इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि प्रत्येक विधान यानी कानून जनमानस के विश्वास से ही उत्पन्न हो और उसी दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि सदन लोकतंत्र का इंजन होता है, और जब यहाँ स्वस्थ परंपराएँ बनती हैं, देश की नीतियाँ निर्मित होती हैं, और देशहित में कानून गढ़े जाते हैं, तो राष्ट्र की दिशा स्वतः स्पष्ट हो जाती है।

'अखण्ड सौभाग्य का पर्व : हरतालिका तीज'

शिव-शक्ति को गृहस्थ जीवन का आदर्श माना गया है। शक्ति स्वरूपा माता पार्वती ने सदैव शिव के गुणों का वरण किया है। शिव जी ही माता पार्वती के पति होंगे उक्त बात नारद जी द्वारा माता पार्वती को बताई गई थी। शिवजी को वर रूप में प्राप्त करने के लिए जगत जननी माँ पार्वती ने अत्यधिक कठिन तपस्या की। सप्त ऋषि भी उनकी परीक्षा लेने आए एवं माता पार्वती को शिव शंकर की वेशभूषा तथा दैनिक दिनचर्या का वर्णन किया और उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए उकसाया, परन्तु माता पार्वती तो श्रृद्धा एवं विश्वास की प्रतिमूर्ति है। वे शिवजी के कल्याण स्वरुप को पहचानती थी। सत्यम शिवम् सुंदरम ही शिव का सत्य स्वरुप है। पार्वतीजी बाहरी आडम्बर के विरुद्ध भीतर की सच्चाई से परिचित थी।

शिव को करुणावतार कहा जाता है। शिव तो सच्चे हृदय के स्वामी है, तभी तो संसार की रक्षा के लिए विष को भी सहर्ष स्वीकार कर लेते है। भगवती तो अनंत शक्ति की प्रतिक है और माँ की कृपा तो जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। वास्तव में इस मनुष्ययोनि में महेश और भवानी तो हमारे माता-पिता का ही स्वरूप है जो सदैव भक्तो को आशीष प्रदान करते है। उनका गृहस्थ जीवन माया से नहीं बल्कि जीवन में आनंद से सुशोभित है। शिव सदैव आनंद की

अवस्था में विद्यमान रहते है। शिव परिवार तो सर्वत्र पूजा जाता है। यहाँ तक कि भोलेनाथ के पौत्र शुभ-लाभ भी पूजन के अधिकारी है। उन्हीं शिव-पार्वती का वरदान यदि गृहस्थ को मिल जाए तो जीवन में और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता।

शिव-शक्ति की आराधना का है हरतालिका तीज का त्यौहार।

महेश-भवानी की जगत में महिमा है अपरम्पार।।

शिव-शक्ति का अर्द्धनारीश्वर रूप करता समता को प्रदर्शित।

उनकी कृपा से जीवन में आनंद होता दर्शित।।

इस व्रत में निर्जल रहकर शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा की जाती है। विधि-विधान से पूजन किया जाता है। सुहागिन के साथ-साथ कन्याएँ भी इस व्रत को करती है और सुन्दर श्रृंगार से सुशोभित होती है। यह तीज-त्यौहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है। हरतालिका तीज का व्रत एक बार प्रारम्भ करने के पश्चात जीवनपर्यन्त खंडित नहीं किया जा सकता है। हरतालिका तीज के विधान में वर्णित है कि माता पार्वती ने शिवजी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसका पूजन-अर्चन किया तथा कठोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या को महादेव ने स्वीकार किया और जन्म-जन्मान्तर तक शक्ति का ही अर्धांगिनी के रूप में वरण किया। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरुप अत्यंत पूजनीय है, जिसमें शिव-शक्ति की समानता का दर्शन होता है। इस दिन शिव-पार्वती के नामों का उच्चारण एवं भजन-कीर्तन करना चाहिए। सोलह श्रृंगार का विधान इस पर्व में है। ईश्वर की भक्ति तो प्रत्येक परिस्थिति में कल्याण और कृपा का पात्र भक्त को बनाती है, बस हृदय में पवित्रता और श्रृद्धा-भक्ति होनी चाहिए। भक्ति में निर्मल भावों की प्रधानता होती है। भोलेनाथ और भवानी तो भक्तवत्सल है, जो गृहस्थ जीवन को सुखी एवं आनंदमय बनाने का आशीर्वाद प्रदान करते है।

पवित्र हृदय से करें शिव-पार्वती का ध्यान।

उनकी आराधना है जीवन के लिए वरदान।।

शक्ति ने सदैव किया शिव के गुणों का वरण।

डॉ. रीना कहती, हरतालिका तीज से होगा संताप का हरण।।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका) प्रेषकः डॉ. रीना रवि मालपानी

बिग बास 19 का धमाकेदार आगाज, शो में इस बार ये 5 ट्विस्ट रहेंगे खास

सलमान खान के शो बिग बॉस का फैंस हर साल बेसब्री से इंतजार करते हैं। घर में हर बार किचन पॉलिटिक्स तो खूब देखने को मिलती है, लेकिन इस बार घर की थीम ही राजनीति पर है। शो की रेटिंग बरकरार रखने के लिए कई सोशल मीडिया स्टार्स को भी लाया जा रहा है। इसके अलावा, वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट भी शो का हिस्सा बनेंगे। इसके लिए अलग-अलग फील्ड के दिग्गजों को शामिल किया जा सकता है। जानें इस बार क्या कुछ खास रहने वाला है।

इस सीजन में घरवाले ही सबका निर्णय करने वाले हैं। कंटेस्टेंट्स को दो दलों में बांटा जाएगा रूलिंग पार्टी और अपोजिशन। उन्हें सत्ता बदलने वाले टास्क जीतकर घर की 'सरकार' बनाने का मौका मिलेगा।

नए घर की थीमः नए घर को कैबिन-इन-द-वुड्स थीम के साथ डिजाइन किया गया है। इसमें एम्ब्लेमेटिक असेंबली रूम, वुडलैंड और जंगल, पावरहाउस किचन, कॉमन बेडरूम और स्पा-टाइप

बाथरूम शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बार घर में कई लग्जरी चीजें भी शामिल की गई हैं जिनका इस्तेमाल टास्क जीतने पर ही किया जा सकेगा। स्टार्सः इस सीजन को लोकप्रिय बनाने के लिए कोशिश की जा रही है कि कुछ ग्लोबल स्टार्स को शामिल किया जाए। बताया जा रहा है कि कुछ कंटेस्टेंट वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में शामिल हो सकते हैं। साथ ही, सोशल मीडिया पर लोकप्रिय स्टार्स जैसे अवेज दरबिर और नगमा मिराजकर भी कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में हैं।

ऑडियंस की सक्रिय भागीदारीः सलमान खान के शो में इस बार ऋ्ल्लर डं ऋ्र' चलेगा। प्रोडक्शन हाउस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि वोटिंग के अलावा, टास्क और कुछ दूसरी एक्टिविटीज में ऑडियंस वोट और पोल कराए जाएंगे, ताकि दर्शक इस शो के साथ लगातार जुड़ाव रखें।

रॅल्ल डॅल्ल के साथ कई और होस्ट लगाएंगे घरवालों की क्लास

मल्टी-होस्ट फामेर्टः यह सीजन अब तक का सबसे लंबा होगा। सूत्रों के मुताबिक चैनल की योजना शो को 5 से 6 महीने तक चलाने की है। शुरूआत में सलमान खान होस्ट होंगे, जबकि बाद में फराह खान, करण जौहर और अनिल कपूर जैसे अन्य सेलिब्रिटी भी कुछ एपिसोड होस्ट करेंगे। लंबे समय में शो चलने की वजह से सलमान खान के लिए सारे एपिसोड होस्ट करना मुश्किल रहेगा

श्रेयस अय्यर ने कप्तान बनने से किया इनकार, क्या एशिया कप टीम से बाहर रखने पर हैं नाराज ?

(जीएनएस)।

एशिया कप की टीम में श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं करने पर काफी बवाल देखने को मिला है। उनको टीम में नहीं चुनने के बाद सोशल मीडिया पर भी बीसीसीआई की आलोचना देखने को मिली। श्रेयस अय्यर से पहले शुभमन गिल को टीम में शामिल करने पर सवाल खड़े हुए हैं।

इस बीच श्रेयस अय्यर को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। ऐसा कहा जा रहा है कि श्रेयस अय्यर को एशिया कप टीम से बाहर करना पर बुरा लगा है और उन्होंने अपने तरीके से विरोध जताया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर कुछ भी सामने नहीं आया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार श्रेयस अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में कप्तानी का ऑफर ठुकरा दिया है। श्रेयस अय्यर को सबसे पहले वेस्ट जोन की कप्तानी की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने यह जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद चयनकर्ताओं ने यह जिम्मेदारी शार्दुल

ठाकुर को सौंपी, जिन्होंने खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लिया। चयन समिति के अध्यक्ष संजय पाटिल ने अय्यर द्वारा मना करने के बाद शार्दुल ठाकुर को जिम्मेदारी दी।

कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि श्रेयस अय्यर सफेद गेंद क्रिकेट खेलना चाहते थे और उनको एशिया कप की टीम में शामिल करने की उम्मीद थी। इसी वजह से उन्होंने अपने पर्सनल कोच प्रवीण आमरे के साथ अभ्यास करने का निर्णय लिया था।

श्रेयस अय्यर के सपोर्ट में कई पूर्व क्रिकेटर आए हैं, उनमें संजय मांजरेकर भी शामिल हो गए हैं। मांजरेकर ने कहा कि अय्यर को टीम में शामिल नहीं करना हैरानी वाला निर्णय है। यह वही खिलाड़ी है जिसे सही कारणों से भारतीय टीम से बाहर किया गया था, क्योंकि ऐसा महसूस किया गया कि वह घरेलू क्रिकेट को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध नहीं हैं। जब इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने घरेलू वनडे सीरीज में वापसी की तो पहले से कहीं ज्यादा बेहतर थे।

मांजरेकर ने कहा कि उन्होंने आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था, 50 की औसत और 170 का स्ट्राइक रेट अन्य किसी बल्लेबाज का नहीं रहा। इसके बाद उनको टीम से बाहर करने का अवॉर्ड दिया गया।

निकाय चुनाव से पहले अब ठाकरे ब्रदर्स ने वोट चोरी का लगाया आरोप

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में आगामी महत्वपूर्ण स्थानीय निकाय चुनावों से पहले वोटर लिस्ट में कथित हेरफेर एक बड़ा मुद्दा बन गया है। राहुल गांधी के बाद अब शिवसेना यूबीटी प्रमुख और मनसे प्रमुख ने वोट चोरी का आरोप लगाया है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, दोनों ने अलग-अलग कार्यक्रमों अपने कार्यकताओं से इलेक्टशन लिस्ट का बारीकी से जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि "वोट चोरी हो रहे हैं।"

दरअसल, महाराष्ट्र के दहिसर में शिव सेना (यूबीटी) के

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मतदाताओं की सूचियों की निगरानी के कार्य को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "घर-घर जाएं, लिस्ट की सावधानीपूर्वक जांच करें। वोट चोरी हो रहे हैं। यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि ऐसा न हो।"

उद्धव ठाकरे ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर आरोप लगाया कि यदि चुनाव ईमानदारी से होते हैं, तो वे "जीत नहीं सकते।"

वहीं एक दिन पहले पुणे में, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने भी अपनी पार्टी के पदाधिकारियों को इसी तरह का संदेश दिया।

राज ठाकरे ने दावा किया कि मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण वर्षों से परिणामों में गड़बड़ी हो रही है। राज ठाकरे ने कहा, "2016-17 से, मैं कहता रहा हूं कि मतदान प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ है। यह मत सोचिए कि लोग आपको वोट नहीं दे रहे हैं-सच्चाई यह है कि वोट चोरी हो रहे हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

विकसित भारत
विकसित गुजरात

शहरी विकास वर्ष 2025 के उत्सव के अंतर्गत
माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी के

करकमलों द्वारा

₹5,477 करोड़ की विभिन्न विकासलक्षी परियोजनाओं का

लोकार्पण और शिलान्यास

25 अगस्त 2025, सोमवार | शाम 5:00 बजे

स्थान : खोडलधाम ग्राउंड, निकोल, अहमदाबाद

गरिमामयी उपस्थिति
आचार्य देवव्रत
माननीय राज्यपालश्री, गुजरात

विशेष अतिथि
श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

विशेष उपस्थिति
श्री सी. आर. पाटिल
माननीय केंद्रीय मंत्री
जल शक्ति मंत्रालय, भारत

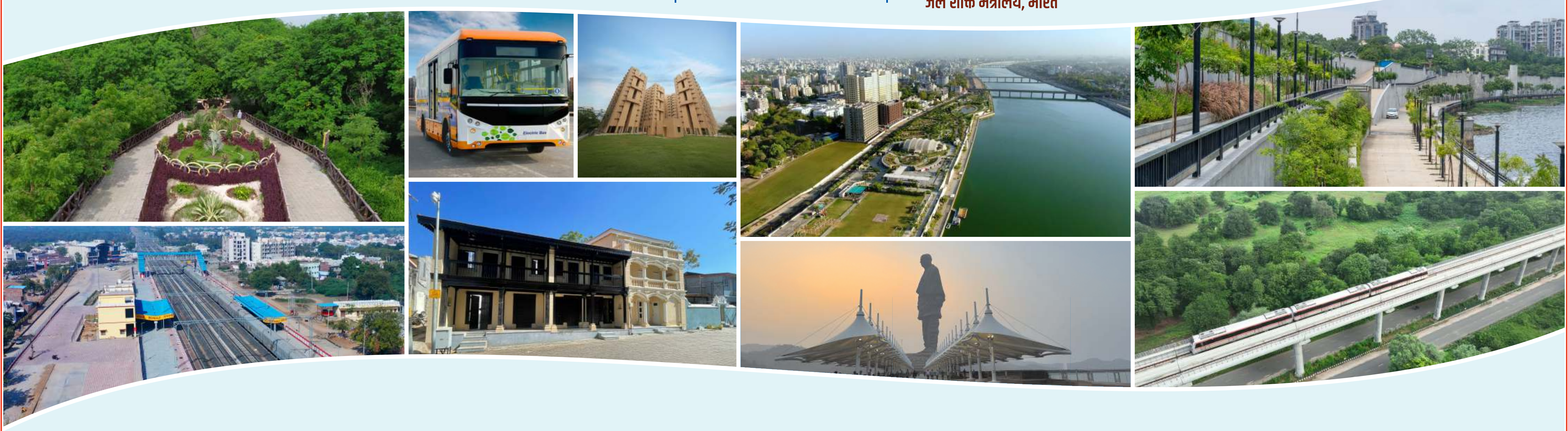

केंद्रीय रेल मंत्रालय के अंतर्गत राज्य को ₹1,404 करोड़ की नई रेलवे सुविधाएं

- **मेहसाणा-पालनपुर रेलवे लाइन** का **दोहरीकरण**, अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगा
- ब्रॉड गेज में रूपांतरण से **बेचराजी-रणुज** और **कटोसण रोड-कड़ी-कलोल** खंड के स्थानीय उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन और **बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा** होगी उपलब्ध
- **कटोसण-कड़ी-कलोल** क्षेत्र के यात्रियों को अब **साबरमती के लिए सीधी ट्रेन** सेवा उपलब्ध होगी तथा **बेचराजी से रणुंज** होते हुए **उत्तर भारत के लिए पहली बार फ्रेट ट्रेन की सुविधा,** जिससे व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग तथा राजस्व विभाग के द्वारा अहमदाबाद और गांधीनगर को समर्पित ₹2,644 करोड़ की जन सुविधाएं

- **₹1,624 करोड़** की लागत से **सरदार पटेल रिंग रोड** का **6 लेन** तक विस्तार
- हजारों परिवारों के लिए **आवास** और **झुग्गियों** का **पुनर्विकास**
- **नई जल निकासी प्रणाली, सीवरेज नेटवर्क** और **जल वितरण स्टेशनों** का निर्माण
- **लॉ-गार्डन सहित कई प्रमुख क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण** कार्यों का शुभारंभ
- **नई सड़कों और फ्लाईओवर** से लोगों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत
- **आधुनिक डेटा सेंटर एवं टेक्नोलॉजी हब** का निर्माण

ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग के तहत ₹1,122 करोड़ की जन सुविधाएं

- **निर्बाध बिजली आपूर्ति** के लिए विद्युत इन्फ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण
- **66 kV गोता सब-स्टेशन** और **66 kV चांदखेड़ा-2 सब-स्टेशनों** का निर्माण

सड़क एवं भवन विभाग के तहत ₹307 करोड़ की जन सुविधाएं

- **विरमगाम-अहमदाबाद** रोड और **कड़ी-थोल-साणंद** रोड की **रिसर्फ़ेसिंग** और **फर्निशिंग** कार्य
- **अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर सड़क निर्माण से उद्योगों और रोजगार को बढ़ावा**
- **बापा सीताराम जंक्शन से गिफ्ट सिटी रोड** का विस्तार

“ गुजरात का सदैव संकल्प रहा है,
प्रदेश के विकास से देश का विकास,
विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात। ”
— माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

रोड शो रूट ▸ हरिदर्शन चार रास्ता ▸ राजचंद्र सोसायटी चार रास्ता ▸ मैंगो प्लस सिनेमा चार रास्ता ▸ खोडलधाम निकोल कार्यक्रम स्थल

पश्चिम रेलवे मुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09087/09088 मुंबई सेन्ट्रल – भावनगर टर्मिनस स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09087 मुंबई सेन्ट्रल – भावनगर टर्मिनस स्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 को मुंबई सेन्ट्रल से 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09088 भावनगर टर्मिनस – मुंबई सेन्ट्रल स्पेशल गुरूवार, 28 अगस्त, 2025 को भावनगर टर्मिनस से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:30 बजे मुंबई सेन्ट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, आणंद जं., अहमदाबाद, विरमगाम, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09087 एवं 09088 की बुकिंग 25 अगस्त, 2025 को 15:00 बजे से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

28 अगस्त को भावनगर टर्मिनस से मुंबई सेन्ट्रल के लिए चलेगी 'स्पेशल ट्रेन'

टिकटों की बुकिंग 25 अगस्त (सोमवार) से शुरू होगी

पर्युषण पर्व के दौरान होने वाली भीड़ को समायोजित करने और यात्रियों की सुविधा हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर टर्मिनस और मुंबई सेन्ट्रल के बीच विशेष किराए पर 'स्पेशल ट्रेन' चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

- ट्रेन नंबर 09088/09087 भावनगर टर्मिनसझ्र मुंबई सेन्ट्रल सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन नंबर 09087 मुंबई सेन्ट्रल-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 27 अगस्त, 2025 (बुधवार) को मुंबई सेन्ट्रल से दोपहर 12.00 बजे प्रस्थान करेगी और प्रातः 05.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 09088 भावनगर टर्मिनस-मुंबई सेन्ट्रल सुपरफास्ट स्पेशल 28 अगस्त, 2025 (गुरूवार) को भावनगर टर्मिनस से शाम 17.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 07.30 बजे मुंबई सेन्ट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सिहोर (गुजरात), सोनगढ़, धोला, बोटाद, विरमगाम, अहमदाबाद, आणंद जं., वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, पालघर एवं बोरीवली स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर और शयनयान श्रेणी के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09087 एवं 09088 के लिए टिकटों की बुकिंग 25.08.2025 (सोमवार) दोपहर 15.00 बजे से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कौन बनेगा भाजपा का नया अध्यक्ष? जोधपुर में होने वाली आरएसएस की बैठक में नाम हो जाएगा फाइनल

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में अध्यक्ष पद के बदलाव की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। इसका मुख्य कारण अगले महीने राजस्थान के जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 5 से 7 सितंबर तक चलने वाली तीन दिवसीय समन्वय बैठक है।

सूत्रों के मुताबिक, इस महत्वपूर्ण बैठक में नए बीजेपी अध्यक्ष के नाम पर विचार-विमर्श हो सकता है। इस बैठक में आरएसएस और बीजेपी के शीर्ष नेता शामिल होंगे। आरएसएस की ओर से प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य और सभी समन्वयक उपस्थित रहेंगे।

इखढ ठीद्द ढशीश्रील्लि३

बीजेपी से अध्यक्ष जेपी नड्डा, बीएल संतोष, सुनील बंसल, सौदान सिंह, शिवप्रकाश और वी सतीश जैसे बड़े नेता भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों, जैसे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ), भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच, वनवासी कल्याण और सेवा समिति के प्रमुख प्रतिनिधि भी अपनी

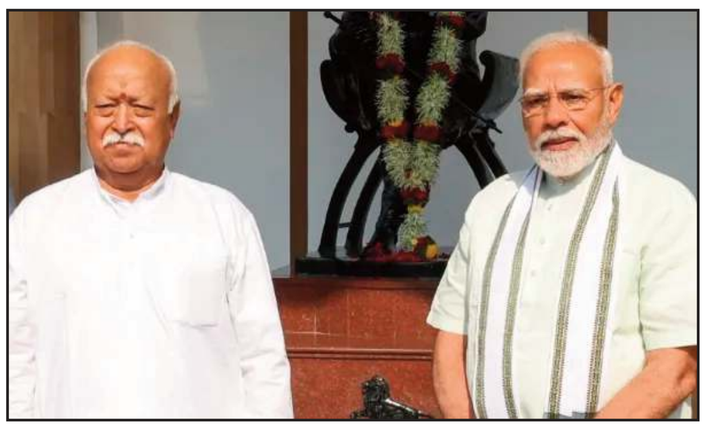

वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह बैठक समकालीन मुद्दों पर भी केंद्रित होगी, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की तैयारियां शामिल हैं। पिछले वर्ष यह बैठक केरल के पलक्कड़ में सितंबर 2024 में आयोजित की गई थी।

इस बीच, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 26 और 28 अगस्त को दिल्ली के विज्ञान भवन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों से संवाद करेंगे। 28 अगस्त को वे लिखित रूप से पूछे गए सवालों के जवाब भी देंगे।

बीजेपी अध्यक्ष बनने के लिए व्यक्ति को कम से कम 15 वर्षों से पार्टी से जुड़ा होना अनिवार्य है। अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है, और कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक इस पद पर नहीं रह सकता। आधे राज्यों में अध्यक्षों के चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होती है।

अध्यक्ष का चयन सहमति या चुनाव के माध्यम से होता है, और अंतिम निर्णय केंद्रीय समिति करती है। बीजेपी में 'एक व्यक्ति-एक पद' का सिद्धांत लागू है।

भाजपा अध्‍यक्ष की रेस में शामिल है कौन-कौन से नाम

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में कई बड़े नाम शामिल हैं।

शिवराज सिंह चौहान
मनोहर लाल खट्टर
धर्मेंद्र प्रधान
सुनील बंसल
जी. किशन रेड्डी
बी.एल. संतोष

कौन सी महिला नेताओं का नाम इस रेस में है शामिल?

भाजपा को पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की भी चर्चा है। इस दौड़ में निर्मला सीतारमण का नाम प्रमुख हैं।

इनके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री और आंध्र प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष रहीं डी. पुरंदेश्वरी भी प्रमुख दावेदार हैं।

तमिलनाडु की विधायक और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानति श्रीनिवासन भी संभावित नामों में शामिल हैं। वे पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की पहली तमिल महिला सदस्य भी हैं।

मेक इन इंडिया' की गूंज: मढ़ौरा से गिनी के लिए रवाना हुए शक्तिशाली रेल इंजन 'कोमो'

(जीएनएस)।

मधेपुरा रेल इंजन फैक्ट्री ने गिनी को 4,500 हॉर्सपावर लोकोमोटिव का निर्यात शुरू कर दिया है, आगे और खेप भेजने की योजना है। यह पहल भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम का समर्थन करती है और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देती है।

राज्य के मढ़ौरा में मौजूद रेल इंजन कारखाना ने नई इबारत लिख दी है। यहां तैयार हो रहा इंजन अफ्रीकी देश गिनी की पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार है। चार इंजन की पहली खेप वहां के लिए रवाना हो गई है। मेक इन इंडिया की अवधारणा को सार्थक बनाते हुए निर्यात किए जाने वाले इन इंजनों का नाम ह्यकोमोह्ण रखा गया है। गिनी देश का एक प्रतिनिधि मंडल इस वर्ष मई-जून में यहां आया हुआ था। इस दौरान 140 लोकोमोटिव इंजन के निर्यात का 3 हजार करोड़ रुपये एकरारनामा इस कंपनी के साथ हुआ था। इसके तहत दो महीने बाद ही पहली खेप रवाना हो रही है। जल्द ही ह्यकोमोह्ण की अन्य खेपें रवाना की जाएगी।

4500 हार्स पॉवर है इन इंजनों की क्षमता

गिनी देश के लिए निर्यात होने वाले इन रेल इंजनों की क्षमता 4500 हार्स पॉवर है। 200 एकड़ में फैला मढ़ौरा रेल कारखाने के निर्माण की प्रक्रिया अक्टूबर 2015 से शुरू हुई थी। यहां से निर्माण का कार्य 2018 से शुरू हुआ था और अब यहां जून 2025 से निर्यात की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यहां औसतन दो दिन में एक लोको इंजन तैयार किया जाता है। इस

फैक्ट्री में दो हजार से अधिक पिलर हैं। इसकी चहारदिवारी 4.6 किमी है और इसकी आधारभूत संरचना को तैयार करने में 4500 मीट्रिक टन स्टील लगा है। फैक्ट्री के अंदर 4.8 किमी सड़क और 1.8 किमी रेल पटरी का निर्माण किया गया है। 10 हजार से अधिक मजदूर यहां काम करते हैं।

इस रेल इंजन कारखाने से अभी 4500 हार्स पॉवर की क्षमता वाले इंजन का निर्माण हो रहा है। आने वाले समय में 6 हजार हार्स पॉवर तक की क्षमता वाले रेल इंजन का निर्माण करने की योजना है। भारत में सप्लाई होने वाले रेल इंजन का रंग लाल और पीला होता है। वहीं, गिनी निर्यात होने वाले रेल इंजन का रंग नीला रखा गया है। सभी इंजन का कैब पूरी तरह से एयरकंडीशन है। विदेश भेजे जाने वाले इन इंजनों में इवेंट रिकॉर्डर, लोको कंट्रोल, खास तरह का ब्रेक सिस्टम एएआर समेत अन्य कई खास तरह के उपकरण लगाए गए हैं, जिनकी उपयोगिता अलग-अलग तरह से है। इस कारखाने में 1528 कर्मचारी काम करते हैं, जिसमें 99 फीसकी कर्मी बिहार के रहने वाले हैं। साथ ही महिला कर्मियों की संख्या भी काफी है और वे कई बेहद महत्वपूर्ण कार्य मसलन वेल्डिंग, क्रेन संचारन, एसेंबली, टेस्टिंग में लगी हुई हैं। कर्मियों की औसतन उम्र 24 वर्ष है। बिहार के 17 अलग-अलग तकनीकी संस्थानों से यहां कर्मियों की नियुक्ति की जाती है।

मढ़ौरा रेल इंजन कारखाना से 2018 से अब तक 700 इंजन का निर्माण हो चुका है। औसतन 100 रेल इंजनों का निर्माण प्रतिवर्ष किया जाता है। इसके अलावा पिछले नौ वर्षों में यहां 250 से अधिक रेल इंजन का मेंटेनेंस किया जा चुका है, जो गांधीधाम (गुजरात) स्थित रेल इंजन कारखाना से कहीं अधिक है। यहां पिछले 4 वर्षों में 500 रेल इंजनों को मेंटेन किया गया है। यह रेल कारखाना बिहार में निजी निवेश का सबसे बड़ा उदाहरण है। रेल मंत्रालय का इस कारखाना में सिर्फ 24 फीसदी की हिस्सेदारी है। जबकि, 76 फीसदी की हिस्सेदारी इस कारखाना को संचालित करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी वेबटेक की है। इस प्लांट में 800 करोड़ का निवेश है, जिसके आने वाले कुछ वर्षों में बढ़कर 3 हजार करोड़ रुपये होने की संभावना है।

बिहार को मिलती 900 करोड़ की जीएसटी

इस रेल इंजन कारखाने से प्रति वर्ष बिहार को 900 करोड़ रुपये की जीएसटी प्राप्त होती है। इतनी ही जीएसटी केंद्र सरकार के खाते में भी जाती है। ऊर्जा का सालाना बिल सिर्फ 50 करोड़ रुपये से अधिक की आदायती यह कंपनी करती है। इस कंपनी के खुलने से आसपास के इलाके में आर्थिक गतिविधि कई तरह से बढ़ी है। 3 होटल, 7 रेस्टुरेंट, 6 स्कूल, 3 बैंक, 6 एटीएम समेत अन्य सुविधाएं यहां विकसित हुई हैं।*वाराणसी रेल इंजन कारखाना से पिछले 50 वर्षों में 15 से 20 इंजन का निर्यात किया गया है। जबकि, मढ़ौरा के इस कंपनी से अकेले गिनी को 140इंजन निर्यात किए जा रहे हैं।

'सुशासन के लिए ए आई' शीर्षक से एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के सहयोग से, मणिपुर के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) ने "सुशासन के लिए ए आई" शीर्षक से एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला आयोजित की

..

शासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण में तेजी लाने के लिए, मणिपुर के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) ने भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के साथ साझेदारी में 21 और 22 अगस्त 2025 को इम्फाल के राज्य प्रशिक्षण अकादमी में "सुशासन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर दो दिन के जागरूक करने और क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की।

एनईजीडी की क्षमता निर्माण पहल के एक प्रमुख घटक के रूप में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य मणिपुर सरकार शासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए आई) की समझ और उसे अपनाने को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में राज्य के सभी उपायुक्तों सहित विभिन्न विभागों के 50 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। यह डिजिटल परिवर्तन और लोक प्रशासन में एआई-आधारित नवाचार के प्रति राज्य की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मणिपुर के निदेशक (आईटी) श्री नंबम देबेन ने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया और मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस विभाग (एनईजीडी) के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक उपयोगी और ज्ञानवर्धक शिक्षण अनुभव की कामना भी की।

मणिपुर सरकार के सचिव (आईटी) श्री थोकचोम किरण कुमार आईएएस ने राज्य में शासन को बेहतर बनाने की दिशा में एक आधारभूत कदम के रूप में एआई क्षमता निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर कानूनी मामलों के प्रबंधन और गाँवों के जीआईएस-आधारित आवास मानचित्रण जैसे क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण के लिए सक्रिय रूप से आधार तैयार कर रहा है। इन पहलों का उद्देश्य अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को सुगम बनाना है।

कोच्चि में अडानी ग्रुप के लॉजिस्टिक्स पार्क का शिलान्यास, 1,500 से अधिक लोगों को रोजगार, केरल बनेगा एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब

(जीएनएस)।

अडानी पोर्ट्स ने कोच्चि के कलामासेरी में एक नया लॉजिस्टिक्स पार्क शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य केरल को एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करना है। इस प्रोजेक्ट से 1,500 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे और विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात क्षमता में वृद्धि होगी।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (अढरएै) ने कलामासेरी में इस लॉजिस्टिक्स पार्क की शुरूआत की घोषणा की। केरल के मुख्‍यमंत्री पिनाराई विजयन ने इसका उद्घाटन किया। 'इन्वेस्ट इन केरल' पहल के तहत विकसित ये प्रोजेक्‍ट केरल को लॉजिस्टिक्स और इंडस्‍ट्रियल पॉवर सेंटर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोच्चि में स्थित यह पार्क 70 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला है। यह शहर तेजी से औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स डेवलपमेंट सेंटर के रूप में उभर रहा है। पार्क का लक्ष्य परिवहन लागत कम करना, समय पर संचालन को सक्षम करना और ई-कॉमर्स, एफएमसीजी/एफएमसीडी, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव और रिटेल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात क्षमताओं को बढ़ाना है।

600 करोड़ रुपये अधिक का किया जाएगा निवेश

इस सुविधा में ईवी चार्जिंग स्टेशन, स्मार्ट लॉजिस्टिक्स समाधान और डिजिटल एकीकरण जैसी आधुनिक विशेषताएं शामिल होंगी। इस प्रोजेक्ट में 600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा।

1,500 से अधिक नौकरियां सृजित होंगी

यह पहल स्थानीय रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी, जिससे 1,500 से अधिक नौकरियां सृजित होंगी। साथ ही, यह सप्लाई चेन ईकोसिस्टम में स्मॉल और मीडियम इंटरप्राइसेस के डेवलपमेंट को मौका देगी।

कलॉजिस्टिक्स पार्क एक लॉजिस्टिक्स हब है

अढरएै के निदेशक और सीईओ, अश्विनी गुप्ता ने बताया "यह कलॉजिस्टिक्स पार्क एक लॉजिस्टिक्स हब है - जो कलमासेरी को वैश्विक बाजारों से जोड़ेगा और केरल को और भी आकर्षक व्यापारिक गंतव्य बनाएगा।" उन्होंने बताया पार्क के उन्नत डिजाइन "प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और वेयरहाउसिंग" पर केंद्रित है।

उन्होंने बताया कलामासेरी लॉजिस्टिक्स पार्क अढरएै के बंदरगाह-केंद्रित उद्यम से एक पूर्ण एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक्स बिजनेस में परिवर्तन में एक मील का पत्थर है।"

चेतेश्वर पुजारा की संन्यास पर शशि थरूर ने उठाए सवाल, क्यों लिया क्रिकेटर की पत्नी का नाम?

(जीएनएस)।

भारत के शानदार क्रिकेटरों में से एक चेतेश्वर पुजारा ने रविवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने चाहनेवालों को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। पुजारा ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच जून 2023 में खेला था। उनके रिटायरमेंट की बात सुनकर उनके चाहनेवालों को गहरा धक्का लगा है तो वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने क्रिकेटर के बारे में कुछ ऐसा कहा, जो कि इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि संन्यास पर मुझे बहुत अफसोस हो रहा है। हालांकि हाल ही में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद यह अपरिहार्य था और भले ही उनके पास साबित करने के लिए कुछ भी न बचा हो फिर भी वे थोड़े और समय तक टीम की बागडोर संभालने और भारत के लिए अपने शानदार टेस्ट करियर के लिए एक सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।'

'जब उन्हें टीम से बाहर किया गया, तो उन्होंने अपनी स्वाभाविक हिम्मत के साथ घरेलू मैदान पर वापसी की और कई प्रभावशाली रन बनाए लेकिन चयनकताओं ने आगे बढ़ने का फैसला कर लिया था और उन्हें इस फैसले के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता।'

'एक क्रिकेटर की पत्नी की डायरी' पढ़ रहा था

उन्होंने आगे लिखा कि 'मैं उनकी पत्नी की 'एक क्रिकेटर की पत्नी की डायरी' पढ़ रहा था और सोच रहा था कि पुजारा ने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए कितना कुछ करना पड़ता है।

20 साल पहले भारत-ए के इंग्लैंड दौरे पर मैंने पुजारा को देखा था

'उन पर पहली बार मेरी नजर 20 साल पहले भारत-ए के इंग्लैंड दौरे पर पड़ी थी, जब उनके लगातार रन बनाने से पता चलता था कि वे अगले स्तर के लिए तैयार हैं। चयनकर्ता इस बात से सहमत थे कि उन्होंने अपने डेब्यू मैच की दूसरी पारी में 72 रनों की शानदार पारी खेली और उसके बाद एक-दो असफलताओं के बावजूद, तीसरे नंबर पर भारत के मिस्टर भरोसेमंद खिलाड़ी बन गए। पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनकी बहुत कमी खली थी।'

शुभकामनाएं, पुजारा! और भारतीय क्रिकेट के लिए आपकी वर्षों की सेवा के लिए धन्यवाद!

थरूर की ये पोस्ट इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं, लोगों ने थरूर की बात पर सहमति दिखाई है और माना है कि पुजारा की विदाई बहुत ही शानदार ढंग से होनी चाहिए थी। एक यूजर ने लिखा कि ' डॉ. थरूर, एक अद्वितीय श्रद्धांजलि। वास्तव में, पुजारा ने आतिशबाजी के प्रति बढ़ते आकर्षण के युग में धैर्य और दृढ़ता का प्रतीक प्रस्तुत किया।'

'पर्दा गिर चुका है लेकिन गूंज हमेशा कायम रहेगी'

'तीसरे नंबर पर उनकी अडिग उपस्थिति न केवल भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए एक मजबूत आधार थी, बल्कि लचीलेपन का भी प्रतीक थी। हालांकि पर्दा गिर चुका है, लेकिन क्रीज पर उनके पराक्रम की गूंज भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा गूंजती रहेगी। कृतज्ञता, प्रशंसा और श्रद्धा, ये सभी उनके लिए प्रचुर मात्रा में हैं।'

ऊँ३ीरँद१ ढ४१ं

आइए एक नजर डालते हैं ऊँ३ीरँद१ ढ४१ं के खूबसूरत क्रिकेट के सफर पर...

चेतेश्वर अरविंद पुजारा का जन्म 25 जनवरी 1988 को राजकोट, गुजरात में हुआ।

पुजारा ने सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हुए अपनी पहचान बनाई।

पुजारा ने भारतीय टीम के लिए टेस्ट डेब्यू 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया।

2018-19 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

एक बार फिर पीएम मोदी आ सकते हैं बिहार, सिमरिया औंटा पुल के बाद अब करेंगे इसका उद्घाटन, देंगे कई सौगात

(जीएनएस)।

सिमरिया आंता पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर माह में एक बार फिर बिहार आ सकते हैं। इस बार फोकस होगा पटना मेट्रो पर, जिसका लंबे समय से इंतजार हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी सितंबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में पटना मेट्रो के प्राथमिक कॉरिडोर का उद्घाटन कर सकते हैं।

हालांकि, पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (PMRC) को अभी तक प्रधानमंत्री कार्यालय से औपचारिक सहमति नहीं मिली है, लेकिन तैयारियाँ तेज रफ्तार से चल रही हैं। डिपो को पावर ग्रिड से बिजली आपूर्ति अगले तीन दिनों में मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से मलाही पकड़ी तक प्राथमिक कॉरिडोर में चरणबद्ध तरीके से विद्युत परीक्षण होगा।

15 दिन का ट्रायल रन और उद्घाटन की संभावनाएँ

जानकारी के मुताबिक, सितंबर के पहले सप्ताह में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू होगा, जो लगभग 15 दिनों तक चलेगा। इसके बाद ही उद्घाटन का रास्ता साफ हो सकता है। तीन स्टेशनों

का निर्माण कार्य सितंबर के तीसरे-चौथे सप्ताह तक पूरा हो सकता है, जिससे औपचारिक रूप से संचालन का शुभारंभ आसान हो जाएगा।

क्यों अहम है यह उद्घाटन?

यह दौरा सिर्फ मेट्रो प्रोजेक्ट के लिहाज से नहीं, बल्कि राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सिमरिया आंता पुल के बाद यह मोदी सरकार का दूसरा बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर गिफ्ट होगा।

पटना मेट्रो को शहरी वोट बैंक से सीधे जोड़कर देखा जा रहा है, जहाँ युवाओं और नौकरीपेशा वर्ग की बड़ी आबादी है।

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की राजधानी में इस परियोजना का शुभारंभ एनडीए के लिए एक बड़ा चुनावी संदेश बन सकता है।

आधुनिक तकनीक और क्षमता

प्राथमिक कॉरिडोर के पाँच स्टेशन - न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरो माइल, भूतनाथ, खेमनीचक और मलाही पकड़ी - को जोड़ते हैं। तीन कोच वाली मेट्रो में एक बार में करीब 900 यात्री सफर कर सकेंगे।

आरएसएस (रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम) आधारित ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर इसके संचालन की रीढ़ होगा, जो ट्रेन, सिग्नलिंग और बिजली आपूर्ति को रीयल टाइम में नियंत्रित करेगा। यह सिस्टम सुरक्षा प्रोटोकॉल और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता भी रखता है।

राजनीतिक सन्देश

विशेषज्ञ मानते हैं कि मेट्रो उद्घाटन न सिर्फ पटना बल्कि पूरे बिहार में एनडीए की विकास राजनीति का प्रतीक बन सकता है। सिमरिया पुल और पटना मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट यह संदेश देंगे कि केंद्र सरकार राज्य में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को जमीन पर उतारने में सक्रिय है।